भारत स्काउट्स एवं गाइड्स की गतिविधियों के क्रियान्वयन की वस्तुस्थिति

"Status of Implementation of Activities of Bharat Scouts and Guides"

सुखदेव कुमार नागर
शोधार्थी
मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय,
उदयपुर(राज.)
Email id- sukhdevnagar81@gmail.com

डॉ .महेश कुमार तिवारी
प्राचार्य
मेवाड़ गर्ल्स कॉलेज ऑफ टीचर्स ट्रेनिंग
चित्तौड़गढ़ (राज.)
Email id- mktiwari1966@gmail.com

सारांश: यह शोध भारत स्काउट्स एवं गाइड्स की विद्यालयों में क्रियान्वयन की वास्तविक स्थिति का विश्लेषण करता है। अध्ययन में पाया गया कि स्काउटिंग गतिविधियाँ संतोषजनक रूप से संचालित हो रही हैं, लेकिन दिव्यांग छात्रों के लिए सुविधाओं की कमी बनी हुई है। मानव संसाधन की उपलब्धता अच्छी है, किंतु प्रशिक्षकों की संख्या बढ़ाने की आवश्यकता है। उच्च स्तरीय स्काउटिंग कार्यक्रमों में छात्रों की भागीदारी अपेक्षाकृत कम पाई गई। विद्यालयों में सामुदायिक सहभागिता मजबूत है, जिससे कार्यक्रमों को सफल बनाने में सहायता मिलती है। नीति सुधारों, संसाधनों की बेहतरी और सहभागिता को बढ़ावा देकर स्काउटिंग गतिविधियों को अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है।

बीज शब्द: भारत स्काउट्स एवं गाइड्स (BSG),स्काउटिंग गतिविधियाँ, विद्यालयी क्रियान्वयन,दिव्यांग छात्र,मानव संसाधन,सामुदायिक सहभागिता, भौतिक संसाधन, नेतृत्व कौशल, समावेशी विकास, सहभागिता एवं प्रशिक्षण।

1. प्रस्तावना:

भारत स्काउट्स एवं गाइड्स (BSG) एक अनुशासित, सेवा-भावना से ओत-प्रोत और राष्ट्रप्रेम की भावना को प्रोत्साहित करने वाला संगठन है, जो युवाओं के सर्वांगीण विकास में सहायक है। यह संगठन बालकों में आत्मनिर्भरता, अनुशासन, नैतिकता, समाज सेवा और नेतृत्व कौशल विकसित करता है। स्काउटिंग केवल किताबी ज्ञान तक सीमित न रहकर एक ऐसी प्रणाली है, जो जीवन कौशल, चरित्र निर्माण और नैतिकता को केंद्र में रखती है। यह संगठन प्राकृतिक आपदाओं, सामाजिक जागरूकता अभियानों और मानवीय सेवाओं में सक्रिय भागीदारी निभाता है।

स्काउटिंग की शुरुआत 1907 में लॉर्ड बैडेन-पॉवेल द्वारा की गई थी, और भारत में यह 1909 में प्रारंभ हुई। यह आंदोलन युवाओं में अनुशासन, आत्मनिर्भरता और समाज सेवा की भावना को विकसित करता है। यह विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय जंबूरी कार्यक्रमों के माध्यम से बालकों को एक वैश्विक मंच प्रदान करता है, जहाँ वे विभिन्न संस्कृतियों और परंपराओं से परिचित होते हैं।

राष्ट्रीय स्तर पर स्काउटिंग आंदोलन के प्रभाव को देखते हुए, यह केवल एक शैक्षिक पहल नहीं, बल्कि एक सामाजिक आंदोलन भी बन चुका है। कोविड-19 महामारी के दौरान भी स्काउट्स एवं गाइड्स ने समाज सेवा में अनुकरणीय योगदान दिया, जिसमें मास्क वितरण, जागरूकता अभियान और जरूरतमंदों की सहायता शामिल रही।

आज के परिप्रेक्ष्य में, स्काउटिंग युवाओं को पर्यावरणीय स्थिरता, आपदा प्रबंधन, डिजिटल साक्षरता और नेतृत्व कौशल में दक्ष बना रही है। इस संगठन का भविष्य दृष्टिकोण (विजन 2024) इसे आत्मनिर्भर, लिंग-संतुलित, और समाजोपयोगी गतिविधियों को बढ़ावा देने वाला एक सशक्त मंच बनाने की दिशा में अग्रसर है। इस शोध पत्र में विद्यालयों में भारत स्काउट्स एवं गाइड्स की गतिविधियों के क्रियान्वयन की वस्तुस्थिति का विस्तारपूर्वक अध्ययन किया गया है|

2. शोध-प्रश्नः (Research Questions):

प्रस्तुत शोध अध्ययन हेतु निम्नांकित शोध प्रश्न का चयन किया गया है:-

(.i) भारत स्काउट्स एवं गाइड्स की गतिविधियों के क्रियान्वयन की वस्तुस्थिति क्या है?

3. **शोध-उद्देश्यः (Objectives of the Research):**

शोध अध्ययन हेतु निम्नांकित शोध उद्देश्य का निर्माण किया गया है:-

(i.) भारत स्काउट्स एवं गाइड्स की गतिविधियों के क्रियान्वयन की वस्तुस्थिति का अध्ययन करना।

4. **शोध में प्रयुक्त तकनीकी शब्दों की व्याख्याः**

(i) स्काउटः प्रस्तुत शोध में स्काउट से अभिप्राय समाज सेवक, पथ प्रदर्शक, सेवक, भरोसेमंद, वफादार, मददगार, मिलनसार, विनम्र, दयालु, आज्ञाकारी, हंसमुख, मितव्ययी, बहादुर, स्वच्छ और श्रद्धालु है। स्काउट लडकों के लिए सम्बोधित होता है।

(ii) गाइड: गाइड का शाब्दिक अर्थ मार्गदर्शक या पथ प्रदर्शक है। स्काउटिंग में गाइड लड़कियों के लिए संबोधित किया गया है जो कि स्काउट के समकक्ष शब्द होता है।

(iii) गतिविधियाँ: स्काउट्स एवं गाइड्स हेतु विद्यालयों एवं शिविरों में आयोजित होने वाली गतिविधियाँ।

(iv) वस्तुस्थितिः प्रस्तुत शोध में वस्तुस्थिति का अर्थ स्काउट्स एवं गाइड्स हेतु विद्यालयों एवं शिविरों में आयोजित होने वाली गतिविधियों की वास्तविक स्थिति, दशा या माहौल एवं वातावरण से है।

(v) क्रियान्वयनः प्रस्तुत शोध में क्रियान्वयन से तात्पर्य स्काउट्स एवं गाइड्स से सम्बंधित गतिविधियों के सफलतापूर्वक संचालन से है।

5. **शोध समस्या का औचित्यः**

यह शोध भारत स्काउट्स एवं गाइड्स की विद्यालयों में क्रियान्वयन की वास्तविक स्थिति को समझने और उसमें सुधार की संभावनाओं को उजागर करने हेतु किया गया है। इसमें भौतिक संसाधनों, मानव संसाधन, दिव्यांग छात्रों के लिए सुविधाएँ और गतिविधियों की प्रभावशीलता का विश्लेषण किया गया है। शोध से यह पता चलता है कि कुछ क्षेत्रों में सुधार की आवश्यकता है, विशेषकर दिव्यांग छात्रों के समावेशी विकास और उच्च स्तरीय स्काउटिंग कार्यक्रमों में सहभागिता बढ़ाने हेतु। यह अध्ययन नीति निर्माताओं, शिक्षकों और प्रशासन को आवश्यक सुधारों के लिए दिशा निर्देश प्रदान कर सकता है। इससे स्काउटिंग गतिविधियों को अधिक प्रभावी और व्यापक रूप से लागू करने में सहायता मिलेगी।

6. **शोध विधि एवं प्रविधि:**

शोध कार्य की प्रकृति को ध्यान में रखते हुए प्रस्तुत शोध में यथास्थिति के अध्ययन हेतु सर्वेक्षण विधि (Survey Method) तथा प्राविधि में प्रतिशत तकनीक का उपयोग किया गया|

7 **शोध-न्यादर्श:**

इस शोधकार्य हेतु निम्नांकित जिलों को न्यादर्श में सम्मिलित किया जायेगा-

न्यादर्श: प्रस्तुत शोध में सिरोही,पाली,राजसमन्द एवं उदयपुर जिले के कुल 80 (20-20) राजकीय विद्यालयों का सौद्देश्य चयन किया गया|

8 **उपकरण-** शोध हेतु अवलोकन प्रपत्र का निर्माण किया गया|

9 **शोध-परिसीमन:** प्रस्तावित शोध कार्य को भौगोलिक रूप से सिरोही,पाली, राजसमन्द एवं उदयपुर ज़िले एवं शैक्षिक रूप से उच्च माध्यमिक विद्यालयों तक सीमित रखा गया।

10 **भारत स्काउट्स एवं गाइड्स की गतिविधियों के क्रियान्वयन के सम्बन्ध में अवलोकन से प्राप्त दत्तो की व्याख्या एवं विश्लेषण**

सारणी संख्या:1

अवलोकन के आधार पर भारत स्काउट्स एवं गाइड्स की गतिविधियों के क्रियान्वयन की क्षेत्रवार वस्तुस्थिति

क्रं सं.	गतिविधियों के क्रियान्वयन की क्षेत्रवार वस्तुस्थिति	विद्यालयों का औसत प्रतिशत (N-80)
1.	भौतिक संसाधनों की वस्तुस्थिति	68.53
2.	दिव्यांग स्काउट्स एवं गाइड्स हेतु सुविधाएँ	33.2
3.	मानव संसाधन	83.57
4.	गतिविधियों का संचालन एवं क्रियान्वयन	76.66
5.	विद्यालय में स्काउट्स एवं गाइड्स की सहभागिता	60.68

6.	विद्यालय में स्काउट्स एवं गाइड्स गतिविधियों का संचालन	69.66
7.	विद्यालय में स्काउट्स एवं गाइड्स गतिविधियों का क्रियान्वयन	75.86
	औसत प्रतिशत	66.88

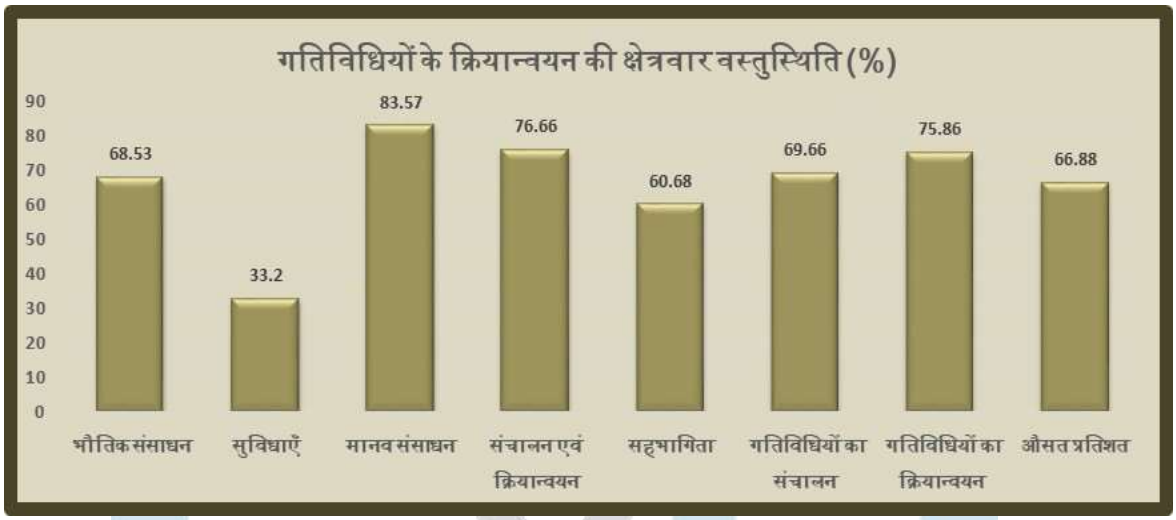

आरेख संख्या:1

व्याख्या एवं विश्लेषण :

भारत स्काउट्स एवं गाइड्स की गतिविधियों के विद्यालयों में क्रियान्वयन की क्षेत्रवार वस्तुस्थिति का विश्लेषण किया जाए तो समग्र औसत 66.88% पाया गया, जो संतोषजनक तो है लेकिन सुधार की संभावनाएँ भी दर्शाता है। भौतिक संसाधनों की स्थिति 68.53% रही, जो इंगित करता है कि अधिकांश विद्यालयों में आवश्यक संसाधन उपलब्ध हैं, लेकिन कुछ विद्यालयों में अभी भी इनकी कमी बनी हुई है। दिव्यांग स्काउट्स एवं गाइड्स हेतु सुविधाओं का प्रतिशत मात्र 33.2% पाया गया, जो यह दर्शाता है कि दिव्यांग छात्रों के लिए समावेशी वातावरण विकसित करने की आवश्यकता है। मानव संसाधन की स्थिति सबसे बेहतर (83.57%) रही, जिससे यह स्पष्ट होता है कि विद्यालयों में प्रशिक्षित शिक्षकों एवं मार्गदर्शकों की उपलब्धता पर्याप्त है। गतिविधियों के संचालन एवं क्रियान्वयन का प्रतिशत 76.66% रहा, जिससे यह निष्कर्ष निकलता है कि स्काउटिंग गतिविधियाँ नियमित रूप से संचालित हो रही हैं, लेकिन कुछ विद्यालयों में इन्हें अधिक प्रभावी बनाने की आवश्यकता है। विद्यालय में स्काउट्स एवं गाइड्स की सहभागिता 60.68% रही, जो यह संकेत देती है कि अभी भी अधिक विद्यार्थियों को इस दिशा में प्रेरित करने की आवश्यकता है। स्काउट्स एवं गाइड्स गतिविधियों के संचालन की स्थिति 69.66% और क्रियान्वयन 75.86% रहा, जो बताता है कि विद्यालयों में गतिविधियाँ सक्रिय रूप से संचालित हो रही हैं, किंतु इन्हें और अधिक सुव्यवस्थित करने की आवश्यकता है। समग्र रूप से यह निष्कर्ष निकलता है कि स्काउटिंग गतिविधियाँ विद्यालयों में प्रभावी रूप से कार्यान्वित हो रही हैं, लेकिन दिव्यांग छात्रों के लिए सुविधाओं में सुधार, संसाधनों की बेहतर उपलब्धता और विद्यार्थियों की सहभागिता बढ़ाने जैसे क्षेत्रों में विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है।

सारणी संख्या:2

अवलोकन के आधार पर भारत स्काउट्स एवं गाइड्स की गतिविधियों के क्रियान्वयन के संदर्भ में भौतिक संसाधनों की वस्तुस्थिति

क्रं सं.	भौतिक संसाधनों की वस्तुस्थिति	विद्यालयों का औसत प्रतिशत (N-80)
1.	स्काउट्स एवं गाइड्स ट्रूप एवं कम्पनी का पंजीकरण	100
2.	विद्यार्थी प्रवेश हेतु आवेदन पत्र की उपलब्धता	96

3.	ग्रुप विजिट एवं निरीक्षण पंजिका की उपलब्धता	87
4.	क्रियान्वयन के रिकॉर्ड की उपलब्धता	76
5.	स्काउट कक्ष, स्काउट सामग्री बांस पेटिका इत्यादि	68
6.	सम्बन्धित साहित्य तथा संदर्भ पुस्तकों की उपलब्धता	60
7.	जांच सम्बन्धी रिकॉर्ड की उपलब्धता	54
8.	निधारित संकेत बोर्ड उपलब्ध	80
9.	अग्नि सुरक्षा उपाय –अग्निशमन और अलार्म सूचना सुविधा, अग्निसुरक्षा	65
10.	बैंडेज एवं पट्टी,आपातकालीन चिकित्सा किट, दर्द निवारक,तापमान मापक उपकरण	80
11.	खेलों हेतु सुविधाजनक मैदान की उपलब्धता	55
12.	इंडोर खेलों हेतु सुविधाजनक मैदान की उपलब्धता|	40
13.	खेलों के उपकरणों के रख रखाव कक्ष की उपलब्धता	30
	औसत प्रतिशत	**68.53**

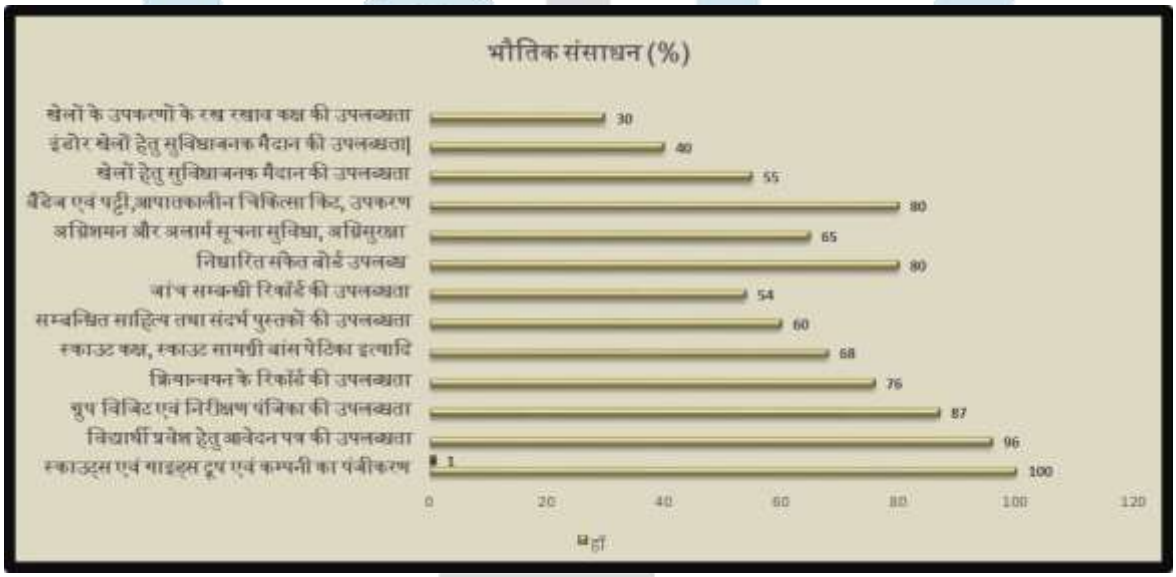

आरेख संख्या:2

व्याख्या एवं विश्लेषण :

भारत स्काउट्स एवं गाइड्स की गतिविधियों के सुचारू संचालन के लिए भौतिक संसाधनों की उपलब्धता एक महत्वपूर्ण कारक है। प्रस्तुत आंकड़ों के अनुसार, संसाधनों की औसत उपलब्धता **68.53%** दर्ज की गई, जो संतोषजनक तो है, लेकिन कुछ महत्वपूर्ण पहलुओं में सुधार की आवश्यकता दर्शाती है। स्काउट्स एवं गाइड्स ट्रूप एवं कम्पनी का पंजीकरण (**100%**), विद्यार्थी प्रवेश हेतु आवेदन पत्र (**96%**) और निधारित संकेत बोर्ड (**80%**) जैसी सुविधाएं पर्याप्त रूप से उपलब्ध हैं, जिससे यह स्पष्ट होता है कि संगठनात्मक संरचना सुव्यवस्थित है। वहीं, ग्रुप विजिट एवं निरीक्षण पंजिका (**87%**), क्रियान्वयन के रिकॉर्ड (**76%**) और अग्नि सुरक्षा उपाय (**65%**) भी संतोषजनक स्थिति में हैं, किंतु इन्हें और अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है। दूसरी ओर, खेलों हेतु सुविधाजनक मैदान (**55%**), इंडोर खेलों हेतु सुविधाएं (**40%**) और खेल उपकरणों के रख-रखाव कक्ष (**30%**) की उपलब्धता अपेक्षाकृत कम है, जो दर्शाता है कि खेल-संबंधी अधोसंरचना में सुधार की आवश्यकता है। इसके अलावा, जांच संबंधी रिकॉर्ड (**54%**) और संदर्भ पुस्तकें (**60%**) सीमित मात्रा में उपलब्ध हैं, जिससे प्रशासनिक एवं शैक्षिक पक्ष को और मजबूत करने की जरूरत है। संपूर्ण विश्लेषण के आधार पर कहा जा सकता है कि संगठन की बुनियादी संरचना

मजबूत है, लेकिन खेल सुविधाओं, संदर्भ साहित्य एवं रिकॉर्ड प्रबंधन में सुधार करने की आवश्यकता है। यदि इन कमियों को दूर किया जाए तो भारत स्काउट्स एवं गाइड्स की प्रभावशीलता और अधिक बढ़ सकती है।

सारणी संख्या:3

अवलोकन के आधार पर भारत स्काउट्स एवं गाइड्स की गतिविधियों के क्रियान्वयन के संदर्भ में दिव्यांग स्काउट्स एवं गाइड्स हेतु उपलब्ध सुविधाओं की वस्तुस्थिति

14.	दिव्यांग स्काउट्स एवं गाइड्स हेतु सुविधाएँ :-		विद्यालयों का औसत प्रतिशत (N-80)
	i.	विशेष कक्षा-कक्ष	10
	ii.	रैम्प	100
	iii.	वाकर्स और केचर्स	30
	iv.	ब्रेल लिपि स्लेट	10
	v.	विशेष डेस्क व कुर्सियाँ	16
		औसत प्रतिशत	**33.2**

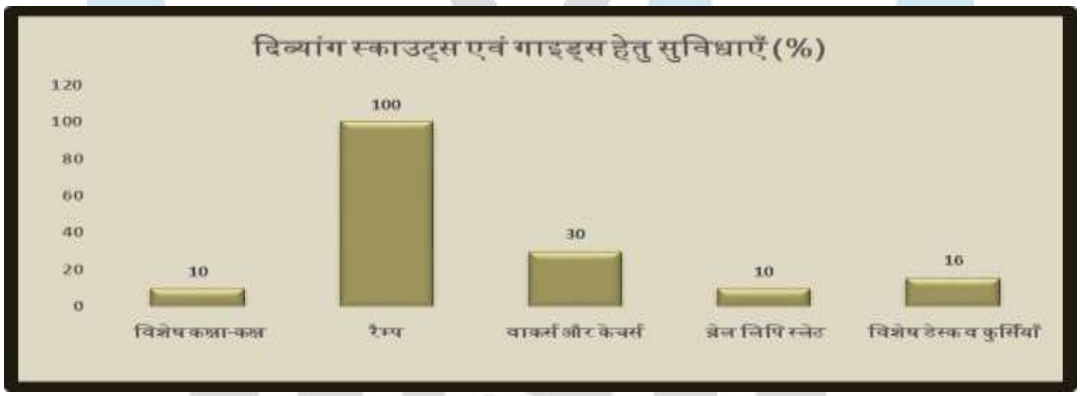

आरेख संख्या:3

व्याख्या एवं विश्लेषण :

भारत स्काउट्स एवं गाइड्स की गतिविधियों के क्रियान्वयन के संदर्भ में दिव्यांग स्काउट्स एवं गाइड्स हेतु उपलब्ध सुविधाओं का विश्लेषण दर्शाता है कि इन विशेष छात्रों के लिए अभी भी समुचित संसाधनों की आवश्यकता बनी हुई है। विद्यालयों में उपलब्ध सुविधाओं की वस्तुस्थिति का अध्ययन करें तो यह स्पष्ट होता है कि रैम्प की उपलब्धता 100% है, जो यह दर्शाता है कि सभी विद्यालय दिव्यांग छात्रों की गतिशीलता सुनिश्चित करने के लिए बुनियादी संरचना प्रदान कर रहे हैं। हालांकि, अन्य आवश्यक सुविधाओं की उपलब्धता तुलनात्मक रूप से कम है।

विशेष कक्षा-कक्ष केवल 10% विद्यालयों में उपलब्ध हैं, जिससे यह संकेत मिलता है कि दिव्यांग छात्रों की विशेष शैक्षिक आवश्यकताओं के लिए अलग से कक्षाओं की व्यवस्था सीमित है। वाकर्स और केचर्स केवल 30% विद्यालयों में उपलब्ध हैं, जिससे स्पष्ट होता है कि चलने-फिरने में सहायता के लिए आवश्यक उपकरण सभी जरूरतमंद छात्रों तक नहीं पहुँच पा रहे हैं। ब्रेल लिपि स्लेट की उपलब्धता मात्र 10% विद्यालयों में है, जिससे यह निष्कर्ष निकलता है कि नेत्रहीन छात्रों के लिए शिक्षण संसाधनों की अत्यधिक कमी बनी हुई है। विशेष डेस्क और कुर्सियों की उपलब्धता भी 16% तक सीमित है, जिससे स्पष्ट है कि दिव्यांग छात्रों के लिए अनुकूलित फर्नीचर की आवश्यकता बनी हुई है।

इन आँकड़ों से स्पष्ट होता है कि दिव्यांग स्काउट्स एवं गाइड्स को पूर्णतः समावेशी एवं सुविधाजनक वातावरण देने के लिए अधिक प्रयासों की आवश्यकता है। औसत प्रतिशत 33.2% होने का तात्पर्य यह है कि अधिकांश विद्यालयों में इन आवश्यक संसाधनों का अभाव है, जिससे दिव्यांग बच्चों के समुचित विकास और भागीदारी में बाधा उत्पन्न हो सकती है। इस परिप्रेक्ष्य में, विद्यालयों में दिव्यांग अनुकूल बुनियादी ढाँचे, शिक्षण सामग्री, सहायक उपकरण और विशेष कक्षाओं की उपलब्धता बढ़ाने हेतु नीतिगत सुधार एवं अतिरिक्त संसाधनों का आवंटन किया जाना आवश्यक है।

सारणी संख्या:4

अवलोकन के आधार पर भारत स्काउट्स एवं गाइड्स की गतिविधियों के क्रियान्वयन के संदर्भ में मानव संसाधन की वस्तुस्थिति

क्रं सं.	मानव संसाधन	विद्यालयों का औसत प्रतिशत (N-80)
1.	पदाधिकारी उपलब्ध है-:	
	i. अध्यक्ष	100
	ii. उपाध्यक्ष	100
	iii. कोषाध्यक्ष	100
	iv. ग्रुप कमिटी सदस्य	100
	v. स्काउटर मास्टर	55
	vi. गाइड कैप्टेन	60
	vii. सहायक यूनिट लीडर	70
	औसत प्रतिशत	**83.57**

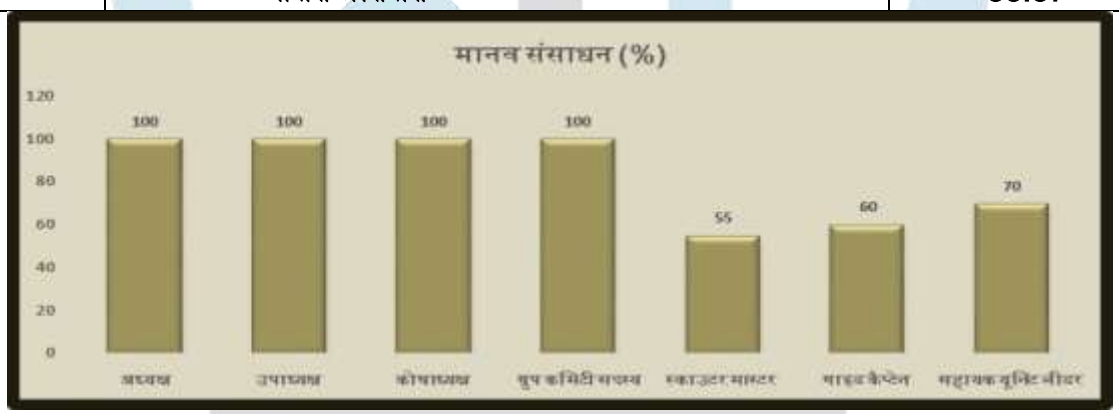

आरेख संख्या:4

व्याख्या एवं विश्लेषण :

भारत स्काउट्स एवं गाइड्स की गतिविधियों के क्रियान्वयन में मानव संसाधन की वस्तुस्थिति का अवलोकन करने पर यह स्पष्ट होता है कि संगठनात्मक पदों पर अधिकारियों की उपलब्धता शत-प्रतिशत है। अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, कोषाध्यक्ष एवं ग्रुप कमिटी के सभी सदस्य प्रत्येक विद्यालय में उपस्थित हैं, जो यह दर्शाता है कि प्रशासनिक स्तर पर संगठनात्मक संरचना मजबूत है।

हालांकि, जब क्रियान्वयन स्तर के मानव संसाधन की बात आती है, तो इसमें कुछ अंतर दिखाई देता है। स्काउटर मास्टर की उपलब्धता केवल **55%** विद्यालयों में है, जो दर्शाता है कि लगभग आधे विद्यालयों में इस पद पर नियुक्ति नहीं हो सकी है। गाइड कैप्टेन की उपलब्धता **60%** है, जो अपेक्षाकृत बेहतर स्थिति में है, लेकिन अभी भी पूर्णता से दूर है। सहायक यूनिट लीडर की स्थिति अपेक्षाकृत बेहतर है, जिसकी उपलब्धता **70%** विद्यालयों में देखी गई है।

संपूर्ण औसत प्रतिशत **83.57%** दर्शाता है कि मानव संसाधन की स्थिति संतोषजनक है, लेकिन स्काउटर मास्टर और गाइड कैप्टेन की कमी स्काउट्स एवं गाइड्स की गतिविधियों के प्रभावी क्रियान्वयन में बाधा उत्पन्न कर सकती है। इस कमी को दूर करने के लिए शिक्षकों को इस दिशा में प्रशिक्षित करने और अधिक नियुक्तियाँ सुनिश्चित करने की आवश्यकता है।

सारणी संख्या:5

अवलोकन के आधार पर भारत स्काउट्स एवं गाइड्स के संदर्भ में गतिविधियों के संचालन एवं क्रियान्वयन की वस्तुस्थिति

क्रं सं.	गतिविधियों का संचालन एवं क्रियान्वयन	विद्यालयों का औसत प्रतिशत (N-80)
8.	विद्यार्थियों का नामांकन व्यवस्था	100
9.	प्रवेश पाठ्यक्रम	90.6
10.	प्रथम सोपान पाठ्यक्रम	87.9
11.	दिवतीय सोपान पाठ्यक्रम	83.8
12.	तृतीय सोपान पाठ्यक्रम	76.3
13.	राज्य पुरुस्कार पाठ्यक्रम	68.2
14.	राष्ट्रपति पुरुस्कार पाठ्यक्रम	29.8
	औसत प्रतिशत	**76.66**

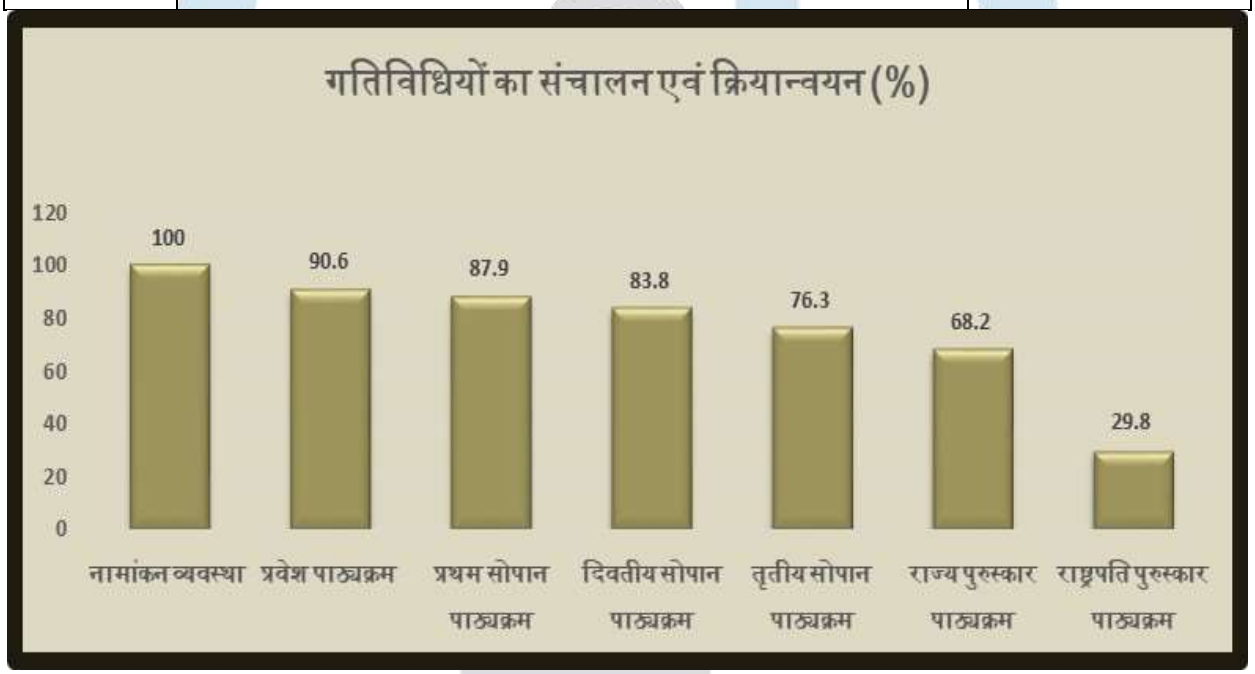

आरेख संख्या:5

व्याख्या एवं विश्लेषण :

भारत स्काउट्स एवं गाइड्स की गतिविधियों के संचालन एवं क्रियान्वयन का विश्लेषण करने पर यह स्पष्ट होता है कि प्रारंभिक स्तर पर विद्यार्थियों की भागीदारी अत्यधिक उत्साहजनक है, लेकिन उच्च स्तरों पर यह क्रमिक रूप से घटती जाती है। विद्यार्थियों के नामांकन की व्यवस्था **100%** विद्यालयों में लागू है, जिससे यह सिद्ध होता है कि संगठन में जुड़ने की प्रक्रिया सुचारु एवं प्रभावी है। प्रवेश पाठ्यक्रम **90.6%**, प्रथम सोपान पाठ्यक्रम **87.9%**, तथा द्वितीय सोपान पाठ्यक्रम **83.8%** विद्यालयों में संचालित किए जा रहे हैं, जो दर्शाता है कि प्रारंभिक प्रशिक्षण में भागीदारी उच्च बनी हुई है। हालांकि, तृतीय सोपान पाठ्यक्रम में यह भागीदारी **76.3%** रह जाती है, जिससे यह संकेत मिलता है कि उच्चतर स्तरों की ओर विद्यार्थियों की रुचि में गिरावट आने लगती है। राज्य पुरस्कार पाठ्यक्रम **68.2%** विद्यालयों तक सीमित है, जबकि राष्ट्रपति पुरस्कार पाठ्यक्रम मात्र **29.8%** विद्यालयों में संचालित हो रहा है, जो यह दर्शाता है कि सर्वोच्च स्तर के प्रशिक्षण एवं मान्यता प्राप्त करने के प्रति विद्यार्थियों की भागीदारी काफी कम हो जाती है। समग्र रूप से औसत प्रतिशत **76.66%** पाया गया, जिससे यह

निष्कर्ष निकलता है कि विद्यालयों में भारत स्काउट्स एवं गाइड्स की गतिविधियाँ संतोषजनक रूप से संचालित हो रही हैं, किंतु उच्च स्तरीय पाठ्यक्रमों में भागीदारी को बढ़ाने के लिए विशेष प्रयासों की आवश्यकता है।

सारणी संख्या:6

अवलोकन के आधार पर भारत स्काउट्स एवं गाइड्स के संदर्भ में विद्यालय में स्काउट्स एवं गाइड्स की सहभागिता की वस्तुस्थिति

15.	विद्यालय में स्काउट्स एवं गाइड्स की सहभागिता	विद्यालयों का औसत प्रतिशत (N-80)
	i. स्थानीय संघ रैली में सहभागिता	93.2
	ii. जिला रैली में सहभागिता	75.4
	iii. मण्डल रैली में सहभागिता	55.5
	iv. स्टेट रैली (जंबूरेट) में सहभागिता	52.1
	v. राष्ट्रीय जंबूरी में सहभागिता	61.8
	vi. अंतर्राष्ट्रीय जंबूरी में सहभागिता	26.1
	औसत प्रतिशत	**60.68**

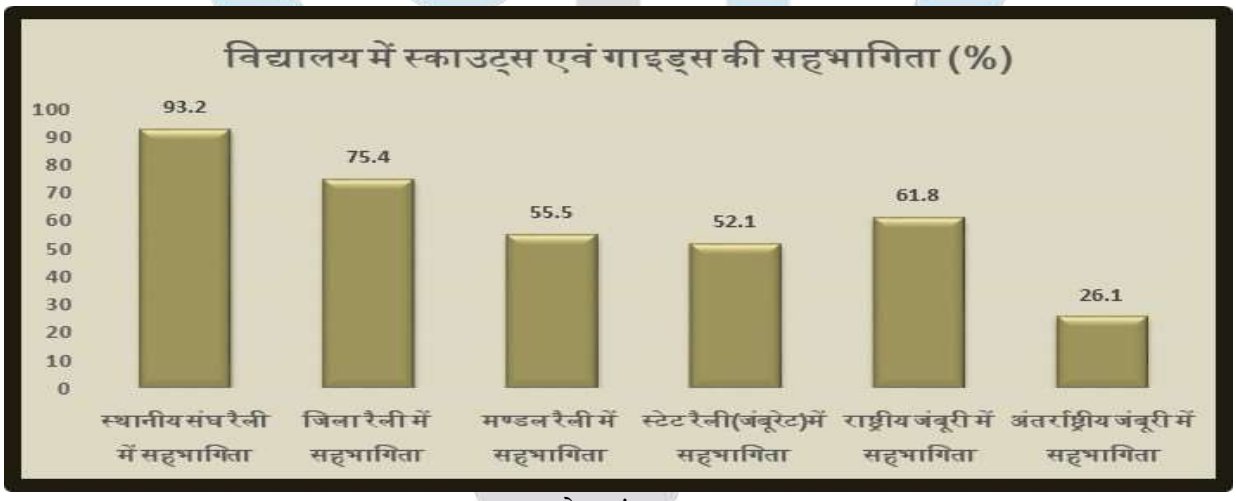

आरेख संख्या:6

व्याख्या एवं विश्लेषण :

भारत स्काउट्स एवं गाइड्स के संदर्भ में विद्यालयों में स्काउट्स एवं गाइड्स की सहभागिता के आंकड़ों का अवलोकन करने पर यह स्पष्ट होता है कि इनकी सक्रिय भागीदारी विभिन्न स्तरों पर भिन्न-भिन्न है।

विद्यालय स्तर पर स्थानीय संघ रैली में सहभागिता सर्वाधिक (93.2%) है, जो यह दर्शाता है कि स्थानीय स्तर पर स्काउट्स एवं गाइड्स की गतिविधियाँ अधिक प्रभावी और प्रचलित हैं। जैसे-जैसे भागीदारी का स्तर ऊँचा होता जाता है, सहभागिता में क्रमिक रूप से गिरावट देखी जाती है। जिला रैली में 75.4% विद्यालयों की भागीदारी दर्ज की गई, जबकि मण्डल रैली में यह घटकर 55.5% रह गई।

राज्य स्तरीय रैलियों (स्टेट जंबूरेट) में सहभागिता 52.1% है, जो यह दर्शाती है कि कई विद्यालय आर्थिक, भौगोलिक या अन्य कारणों से राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं तक पहुँच नहीं बना पाते। राष्ट्रीय जंबूरी में सहभागिता 61.8% दर्ज की गई, जो राज्य स्तरीय सहभागिता से अधिक है, यह इंगित करता है कि कुछ विद्यालय सीधे राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में भागीदारी हेतु प्रेरित होते हैं।

सबसे कम अंतर्राष्ट्रीय जंबूरी में सहभागिता (26.1%) दर्ज की गई, जो यह दर्शाती है कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भाग लेने के लिए आवश्यक संसाधनों, प्रशिक्षण और अवसरों की सीमित उपलब्धता के कारण सहभागिता अपेक्षाकृत कम है।

औसत सहभागिता 60.68% है, जो यह दर्शाती है कि स्काउट्स एवं गाइड्स की गतिविधियों में विद्यालयों की रुचि संतोषजनक है, लेकिन उच्च स्तरीय आयोजनों में भागीदारी को बढ़ाने के लिए नीतिगत सुधारों एवं प्रोत्साहन की आवश्यकता है। इसके लिए आर्थिक सहायता, संसाधनों की उपलब्धता, मार्गदर्शन एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों को और अधिक प्रभावी बनाने की आवश्यकता है, ताकि विद्यार्थियों को राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अधिक अवसर मिल सकें।

सारणी संख्या:7

अवलोकन के आधार पर भारत स्काउट्स एवं गाइड्स के संदर्भ में विद्यालय में स्काउट्स एवं गाइड्स गतिविधियों के संचालन की वस्तुस्थिति

1.	विद्यालय में स्काउट्स एवं गाइड्स गतिविधियों का संचालन	विद्यालयों का औसत प्रतिशत (N-80)
	i. प्राथमिक सहायता का प्रशिक्षण	75.4
	ii. वन विद्या (प्रकृति अध्ययन) का प्रशिक्षण	72.4
	iii. कैंप क्राफ्ट का प्रशिक्षण	69.3
	iv. खोज के चिन्ह का प्रशिक्षण	74.6
	v. पायंनियरिंग का प्रशिक्षण	56.5
	vi. गाठों का प्रशिक्षण	70.5
	vii. स्ट्रेचर व रोगियों की पट्टियों के निर्माण	68.9
	औसत प्रतिशत	**69.66**

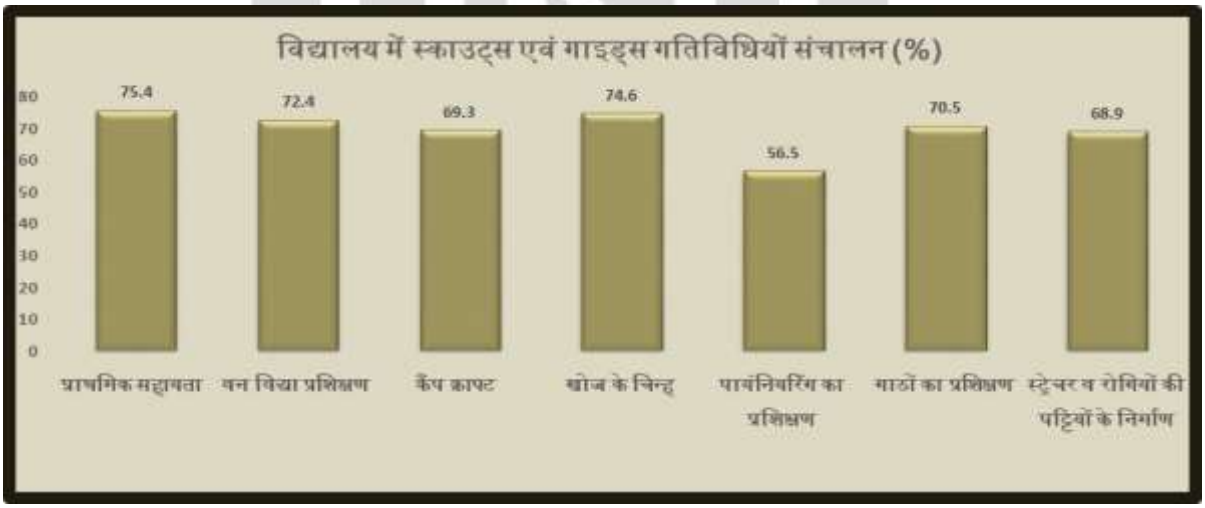

आरेख संख्या:7

व्याख्या एवं विश्लेषण :

विद्यालयों में स्काउट्स एवं गाइड्स गतिविधियों के संचालन की वस्तुस्थिति का अवलोकन करने पर यह स्पष्ट होता है कि इन कार्यक्रमों को संतोषजनक रूप से लागू किया जा रहा है, लेकिन कुछ क्षेत्रों में सुधार की आवश्यकता है। आंकड़ों के अनुसार, प्राथमिक सहायता (75.4%), खोज के चिन्ह (74.6%), वन विद्या (72.4%), और गाँठों का प्रशिक्षण (70.5%) जैसी गतिविधियाँ अपेक्षाकृत अधिक प्रभावी रूप से संचालित की जा रही हैं, जिससे यह स्पष्ट होता है कि विद्यालयों में छात्रों को आपातकालीन स्थितियों से निपटने, प्राकृतिक परिवेश में कार्य करने और बुनियादी स्काउटिंग कौशल विकसित करने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। वहीं, कैंप क्राफ्ट (69.3%), स्ट्रेचर व रोगियों की पट्टियों के निर्माण (68.9%), और

पायनियरिंग (56.5%) जैसी गतिविधियाँ अपेक्षाकृत कम प्रभावी ढंग से संचालित की जा रही हैं, जो यह दर्शाता है कि इन क्षेत्रों में सुधार की आवश्यकता है। औसत प्रतिशत (69.66%) को देखते हुए यह कहा जा सकता है कि विद्यालयों में स्काउटिंग गतिविधियाँ सामान्य रूप से ठीक तरह से संचालित हो रही हैं, लेकिन पायनियरिंग एवं शिविर निर्माण जैसी व्यावहारिक गतिविधियों को अधिक बढ़ावा देने की जरूरत है। इसके लिए विद्यालयों में प्रशिक्षित स्काउट मास्टर की संख्या बढ़ाई जानी चाहिए, अधिक संसाधन उपलब्ध कराए जाने चाहिए और छात्रों को व्यावहारिक अनुभव प्रदान करने हेतु शिविरों का आयोजन किया जाना चाहिए। इससे न केवल स्काउटिंग कार्यक्रम अधिक प्रभावी होगा, बल्कि छात्रों में आत्मनिर्भरता, नेतृत्व क्षमता और समस्या-समाधान कौशल का भी विकास होगा।

सारणी संख्या:8

अवलोकन के आधार पर विद्यालय में स्काउट्स एवं गाइड्स गतिविधियों के क्रियान्वयन की वस्तुस्थिति

क्र.स.	विद्यालय में स्काउट्स एवं गाइड्स गतिविधियों का क्रियान्वयन	विद्यालयों का औसत प्रतिशत (N-80)
1.	गतिविधियों के लिए पंजीकृत विद्यार्थी उपलब्ध	100
2.	विद्यालय में स्काउट्स एवं गाइड्स गतिविधियों हेतु स्काउट नियम, प्रार्थना, आदर्श वाक्य, सेल्यूट पी टी का प्रदर्शन	68.9
3.	विद्यालय में स्काउट्स एवं गाइड्स गतिविधियों के प्रति जागरूकता हेतु नियम, प्रतिज्ञा एवं प्रार्थना का प्रदर्शन	89.8
4.	विद्यालय में स्काउट्स एवं गाइड्स गतिविधियों के संचालन हेतु विद्यालय में जागरूकता सम्बधी कार्यशालाओ एवं व्यसन मुक्ति अभियान का नियमित आयोजन	56.7
5.	विद्यालय में स्काउट्स एवं गाइड्स गतिविधियों के संचालन हेतु जनरल सेल्यूट, गार्ड ऑफ ऑनर का प्रदर्शन	45.7
6.	विद्यालय में सुरक्षा उपायों की नियमित जाँच एवं पालना	75.3
7.	स्काउट्स एवं गाइड्स गतिविधियों के लिए सामुदायिक सहभागिता	94.6
	औसत प्रतिशत	**75.86**

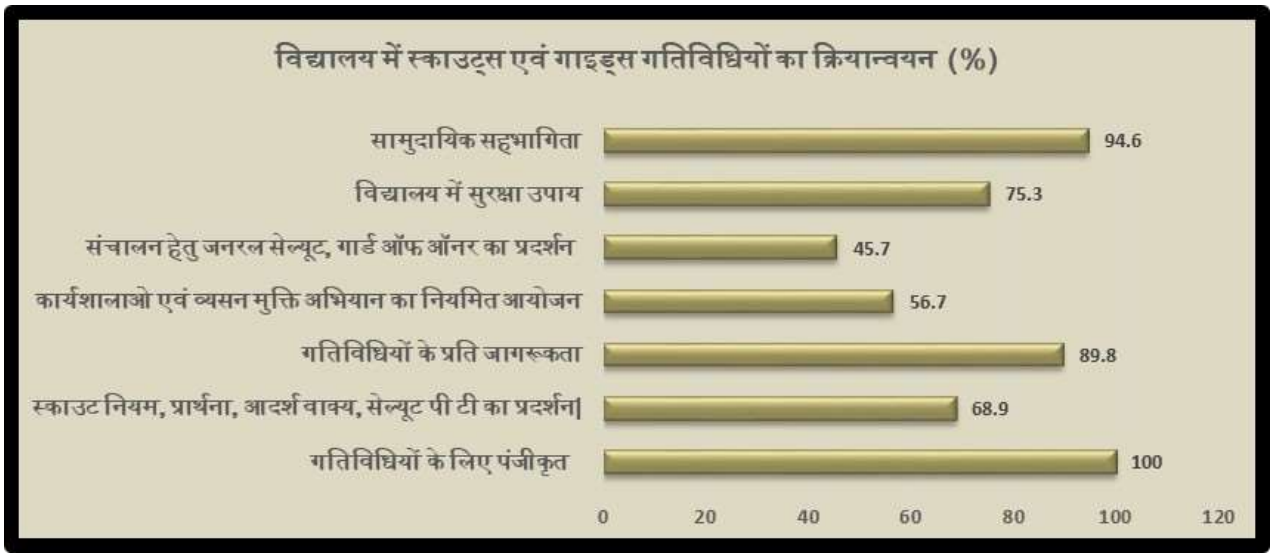

आरेख संख्या:8

व्याख्या एवं विश्लेषण :

विद्यालयों में स्काउट्स एवं गाइड्स गतिविधियों के क्रियान्वयन का अवलोकन करने पर यह स्पष्ट होता है कि अधिकांश विद्यालयों में इन गतिविधियों को औपचारिक रूप से अपनाया गया है, क्योंकि 100% विद्यालयों में पंजीकृत विद्यार्थी उपलब्ध हैं। 89.8% विद्यालयों में नियम, प्रतिज्ञा एवं प्रार्थना के प्रदर्शन के माध्यम से जागरूकता फैलाई जा रही है, जबकि 68.9% विद्यालयों में स्काउट नियम, प्रार्थना, आदर्श वाक्य, सेल्यूट एवं पी.टी. का नियमित अभ्यास किया जाता है। हालाँकि, कार्यशालाओं एवं व्यसन मुक्ति अभियानों का आयोजन केवल 56.7% विद्यालयों में किया जाता है, जो इस दिशा में सुधार की आवश्यकता को इंगित करता है। विशेष आयोजनों, जैसे जनरल सेल्यूट एवं गार्ड ऑफ ऑनर का प्रदर्शन मात्र 45.7% विद्यालयों में किया जाता है, जिससे यह स्पष्ट होता है कि इन गतिविधियों को बढ़ावा देने की आवश्यकता है। सुरक्षा उपायों की नियमित जाँच एवं पालन 75.3% विद्यालयों में किया जा रहा है, जो एक सकारात्मक संकेत है। इसके अतिरिक्त, 94.6% विद्यालयों में सामुदायिक सहभागिता देखी गई है, जो इन गतिविधियों को प्रभावी रूप से संचालित करने में सहायक सिद्ध हो सकती है। संपूर्ण विश्लेषण से यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि विद्यालयों में स्काउट्स एवं गाइड्स गतिविधियों का क्रियान्वयन औसतन 75.86% प्रभावी है, किंतु कार्यशालाओं, विशेष आयोजनों और सुरक्षा उपायों के प्रति जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता बनी हुई है।

समग्र निष्कर्ष

भारत स्काउट्स एवं गाइड्स की गतिविधियों के विद्यालयों में क्रियान्वयन का औसत 66.88% पाया गया, जो संतोषजनक है, किंतु इसमें सुधार की संभावनाएँ हैं। भौतिक संसाधनों की उपलब्धता 68.53% रही, लेकिन खेल-संबंधी सुविधाओं में सुधार की आवश्यकता है। दिव्यांग स्काउट्स एवं गाइड्स के लिए सुविधाओं की स्थिति केवल 33.2% रही, जिससे यह स्पष्ट होता है कि समावेशी वातावरण विकसित करने के लिए विशेष प्रयासों की जरूरत है। मानव संसाधनों की स्थिति 83.57% रही, जिससे यह संकेत मिलता है कि प्रशासनिक पदों पर पर्याप्त कार्मिक उपलब्ध हैं, किंतु स्काउटर मास्टर और गाइड कैप्टन की संख्या में वृद्धि आवश्यक है। गतिविधियों के संचालन एवं क्रियान्वयन का प्रतिशत 76.66% रहा, परंतु उच्च स्तर के पाठ्यक्रमों में छात्रों की भागीदारी में कमी देखी गई। विद्यालयों में स्काउट्स एवं गाइड्स की सहभागिता 60.68% रही, जो यह दर्शाती है कि उच्च स्तरीय आयोजनों में भागीदारी को बढ़ाने के लिए अधिक प्रोत्साहन की आवश्यकता है। स्काउटिंग गतिविधियों के संचालन का औसत 69.66% पाया गया, जबकि क्रियान्वयन की प्रभावशीलता 75.86% रही, जिससे यह स्पष्ट होता है कि जागरूकता अभियान और सामुदायिक सहभागिता बढ़ाने की जरूरत है।

कुल मिलाकर, स्काउट्स एवं गाइड्स की गतिविधियाँ विद्यालयों में प्रभावी रूप से संचालित हो रही हैं, लेकिन दिव्यांग छात्रों के लिए सुविधाओं में सुधार, संसाधनों की बेहतर उपलब्धता और उच्च स्तरीय पाठ्यक्रमों में सहभागिता बढ़ाने हेतु विशेष नीतिगत प्रयासों की आवश्यकता है।

सुझाव :

विद्यालयों में दिव्यांग स्काउट्स एवं गाइड्स के लिए विशेष सुविधाओं, जैसे ब्रेल लिपि, विशेष कक्षा-कक्ष और अनुकूलित फर्नीचर की उपलब्धता बढ़ाई जानी चाहिए, ताकि उन्हें समान अवसर मिल सकें। स्काउटर मास्टर और गाइड कैप्टन की संख्या बढ़ाने के लिए शिक्षकों को उचित प्रशिक्षण प्रदान कर उनकी नियुक्तियाँ सुनिश्चित की जाएं। उच्च स्तरीय पाठ्यक्रमों, जैसे राज्य व राष्ट्रीय पुरस्कार स्तर पर विद्यार्थियों की भागीदारी को बढ़ाने के लिए प्रोत्साहन योजनाएँ लागू की जानी चाहिए। खेल-संबंधी संसाधनों में सुधार किया जाए, जिससे स्काउटिंग गतिविधियों को अधिक प्रभावी और आकर्षक बनाया जा सके।

साथ ही, सामुदायिक सहभागिता एवं जागरूकता अभियानों को बढ़ावा देकर अधिक विद्यार्थियों को स्काउटिंग से जोड़ा जाना चाहिए।

उपसंहार: भारत स्काउट्स एवं गाइड्स की गतिविधियाँ विद्यालयों में संतोषजनक रूप से संचालित हो रही हैं, लेकिन कुछ क्षेत्रों में सुधार की आवश्यकता है। भौतिक संसाधनों की उपलब्धता और मानव संसाधन की स्थिति काफी अच्छी है, लेकिन दिव्यांग छात्रों के लिए सुविधाओं में कमी है। स्काउटिंग गतिविधियों में छात्रों की भागीदारी उत्साहजनक है, परंतु उच्च स्तरीय पाठ्यक्रमों में रुचि घटती जाती है। समग्र रूप से, संसाधनों, प्रशिक्षण, और सहभागिता को बढ़ावा देकर इन गतिविधियों को और अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है।

संदर्भ:-

- बेडन-पॉवेल, आर. (1908). स्काउटिंग फॉर बॉयज: ए हैंडबुक फॉर इंस्ट्रक्शन इन गुड सिटिजनशिप. लंदन: सी. आर्थर पीयरसन।
- भारत स्काउट्स एवं गाइड्स. भारत स्काउट्स एवं गाइड्स नियमावली ,भारत स्काउट्स एवं गाइड्स संगठन।
- गैरट, हेनरी ई. (1990). शिक्षा और मनोविज्ञान में सांख्यिकी. नई दिल्ली: कल्याणी पब्लिशर्स।
- कपिल, एच.के. (1981). अनुसंधान विधियाँ. आगरा: हर प्रसाद भार्गव पुस्तक प्रकाशन।
- राजस्थान राज्य स्काउट्स एवं गाइड्स. (n.d.). स्काउट्स एवं गाइड्स ज्योति. राजस्थान राज्य स्काउट्स एवं गाइड्स संगठन।
- रायजादा, बी.एस. (1997). शिक्षा में अनुसन्धान के आवश्यक तत्व. जयपुर: राजस्थान हिंदी ग्रन्थ अकादमी।
- शर्मा, आर.ए. (1995). शिक्षा अनुसंधान. मेरठ: सूर्या पब्लिकेशन।
- सुखिया, एस.पी., एवं मलहोत्रा, आर.एन. (1981). अनुसंधान विधियाँ. आगरा: हर प्रसाद भार्गव पुस्तक प्रकाशन।
- 10. ढौढियाल, एस., एवं फाटक, अरविन्द. (2005). शैक्षिक अनुसंधान का विधिशास्त्र. जयपुर: राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी।